

MPSE 06

PEACE AND CONFLICT STUDIES

शांति और संघर्ष अध्ययन

IMPORTANT QUESTIONS AND TOPICS

PART-1

HINDI & ENGLISH

Topic-1

Discuss feminist approach to study peace.

Introduction to Feminist Peace Studies

The feminist approach to peace studies examines how gender shapes experiences of conflict and peace. It challenges traditional notions of peace that often overlook women's experiences and contributions. शांति अध्ययन के लिए नारीवादी दृष्टिकोण यह जांचता है कि कैसे लिंग संघर्ष और शांति के अनुभवों को आकार देता है। यह शांति की पारंपरिक धारणाओं को चुनौती देता है जो अक्सर महिलाओं के अनुभवों और योगदानों को नजरअंदाज कर देती हैं।

Critique of Traditional Peace Studies

Feminist scholars argue that traditional peace studies are male-centric, focusing primarily on state actors and military solutions. This approach neglects the role of women and other marginalized groups in peacebuilding.

नारीवादी विद्वानों का तर्क है कि पारंपरिक शांति अध्ययन पुरुष केंद्रित हैं, जो मुख्य रूप से राज्य के कर्ताओं और सैन्य समाधानों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। यह दृष्टिकोण शांति निर्माण में महिलाओं और अन्य हाशिए पर रहने वाले समूहों की भूमिका की उपेक्षा करता है।

Gendered Experiences of Conflict

Feminist peace studies highlight how conflicts impact women and men differently. Women often face sexual violence, displacement, and increased domestic burdens during and after conflicts.

नारीवादी शांति अध्ययन यह उजागर करता है कि संघर्ष महिलाओं और पुरुषों को अलग-अलग तरह से प्रभावित करता है। संघर्ष के दौरान और बाद में महिलाओं को अक्सर यौन हिंसा, विस्थापन और बढ़े हुए घरेलू बोझ का सामना करना पड़ता है।

Women as Peacebuilders

Women play crucial roles in peacebuilding processes, from grassroots activism to participating in formal peace negotiations. Feminist peace studies emphasize recognizing and valuing these contributions.

महिलाएँ शांति निर्माण प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाती हैं, जो जमीनी स्तर की सक्रियता से लेकर औपचारिक शांति वार्ताओं में भाग लेने तक होती हैं। नारीवादी शांति अध्ययन इन योगदानों को पहचानने और महत्व देने पर जोर देता है।

Policy and Advocacy

Feminist peace studies advocate for policies that promote gender equality and women's rights in peace processes. This includes ensuring women's participation in decision-making and addressing gender-specific needs in post-conflict recovery.

नारीवादी शांति अध्ययन शांति प्रक्रियाओं में लैंगिक समानता और महिलाओं के अधिकारों को बढ़ावा देने वाली नीतियों की वकालत करता है। इसमें निर्णय लेने में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना और संघर्ष के बाद की वसूली में लिंग-विशिष्ट आवश्यकताओं को संबोधित करना शामिल है।

Peace as More Than Absence of War

Feminist scholars define peace as more than just the absence of war. It includes social justice, equality, and the eradication of all forms of violence, including domestic and structural violence.

नारीवादी विद्वान शांति को केवल युद्ध की अनुपस्थिति से अधिक के रूप में परिभाषित करते हैं। इसमें सामाजिक न्याय, समानता और घरेलू और संरचनात्मक हिंसा सहित सभी प्रकार की हिंसा का उन्मूलन शामिल है।

Topic 2

Write a note on terrorism

Definition and Nature of Terrorism

Terrorism is the unlawful use of violence and intimidation, especially against civilians, in the pursuit of political, religious, or ideological objectives. It often aims to create fear, disrupt societies, and draw attention to a cause.

आतंकवाद हिंसा और धमकी का अवैध उपयोग है, विशेष रूप से नागरिकों के खिलाफ, राजनीतिक, धार्मिक, या विचारधारात्मक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए। इसका उद्देश्य अक्सर भय पैदा करना, समाजों को बाधित करना और किसी कारण की ओर ध्यान आकर्षित करना होता है।

Types of Terrorism

Terrorism can be categorized into several types, including political terrorism, religious terrorism, state-sponsored terrorism, and cyberterrorism. Each type has distinct characteristics and methods.

आतंकवाद को कई प्रकारों में विभाजित किया जा सकता है, जिनमें राजनीतिक आतंकवाद, धार्मिक आतंकवाद, राज्य प्रायोजित आतंकवाद और साइबर आतंकवाद शामिल हैं। प्रत्येक प्रकार की विशिष्ट विशेषताएँ और तरीके होते हैं।

Causes of Terrorism

The causes of terrorism are complex and multifaceted. They can include political grievances, social injustice, economic disparity,

religious extremism, and ideological indoctrination. Often, a combination of these factors drives individuals or groups towards terrorism.

आतंकवाद के कारण जटिल और बहुआयामी हैं। इनमें राजनीतिक शिकायतें, सामाजिक अन्याय, आर्थिक असमानता, धार्मिक कट्टरता, और विचारधारात्मक ब्रेनवॉशिंग शामिल हो सकते हैं। अक्सर, इन कारकों का संयोजन व्यक्तियों या समूहों को आतंकवाद की ओर धकेलता है।

Impact of Terrorism

The impact of terrorism is profound and far-reaching. It can lead to loss of life, psychological trauma, economic damage, and social disruption. It also often results in increased security measures and restrictions on civil liberties.

आतंकवाद का प्रभाव गहरा और दूरगामी होता है। यह जानमाल के नुकसान, मनोवैज्ञानिक आघात, आर्थिक क्षति, और सामाजिक विघटन का कारण बन सकता है। यह अक्सर सुरक्षा उपायों में वृद्धि और नागरिक स्वतंत्रता पर प्रतिबंधों का परिणाम भी होता है।

Global Response to Terrorism

The global response to terrorism includes international cooperation, intelligence sharing, counter-terrorism legislation, and military interventions. Organizations like the United Nations and NATO play crucial roles in coordinating these efforts.

आतंकवाद के प्रति वैश्विक प्रतिक्रिया में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान, आतंकवाद विरोधी कानून, और सैन्य हस्तक्षेप शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र और नाटो जैसी संस्थाएँ इन प्रयासों के समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

Counter-Terrorism Strategies

Counter-terrorism strategies involve preventive measures, law enforcement, intelligence gathering, and community engagement. Effective counter-terrorism also addresses the root causes of terrorism, such as poverty, political instability, and radicalization.

आतंकवाद विरोधी रणनीतियों में निवारक उपाय, कानून प्रवर्तन, खुफिया जानकारी एकत्र करना, और सामुदायिक जुड़ाव शामिल हैं। प्रभावी आतंकवाद विरोधी रणनीति आतंकवाद के मूल कारणों, जैसे गरीबी, राजनीतिक अस्थिरता, और कट्टरपंथ को भी संबोधित करती है।

Topic-3

Role of regional organisations in conflict prevention and resolution

Introduction to Regional Organizations

Regional organizations are international institutions that focus on specific geographic regions. They play a vital role in conflict prevention and resolution by leveraging regional knowledge, fostering cooperation among member states, and addressing conflicts that might be overlooked by global organizations.

क्षेत्रीय संगठन अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएँ हैं जो विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करती हैं। वे क्षेत्रीय ज्ञान का लाभ उठाकर, सदस्य राज्यों के बीच सहयोग को बढ़ावा देकर, और उन संघर्षों को संबोधित करके, जिन्हें वैश्विक संगठनों द्वारा नजरअंदाज किया जा सकता है, संघर्ष की रोकथाम और समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

Early Warning Systems

Regional organizations often establish early warning systems to monitor and detect signs of emerging conflicts. These systems help in taking proactive measures to prevent conflicts from escalating. For example, the African Union (AU) has an early warning system to identify potential threats to peace and security.

क्षेत्रीय संगठन अक्सर उभरते हुए संघर्षों के संकेतों की निगरानी और पता लगाने के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों की स्थापना करते हैं। ये प्रणालियाँ संघर्षों को बढ़ने से रोकने के लिए सक्रिय उपाय करने में मदद करती हैं।

उदाहरण के लिए, अफ्रीकी संघ (AU) के पास शांति और सुरक्षा के लिए संभावित खतरों की पहचान करने के लिए एक प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली है।
Mediation and Negotiation

Regional organizations frequently engage in mediation and negotiation to resolve conflicts. They use their understanding of regional dynamics and relationships to facilitate dialogue between conflicting parties. The Association of Southeast Asian Nations (ASEAN) has been involved in mediating disputes in the Southeast Asian region.

क्षेत्रीय संगठन अक्सर संघर्षों को सुलझाने के लिए मध्यस्थता और वार्ता में शामिल होते हैं। वे संघर्षरत पक्षों के बीच संवाद को सुविधाजनक बनाने के लिए क्षेत्रीय गतिशीलता और संबंधों की अपनी समझ का उपयोग करते हैं। दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (ASEAN) दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र में विवादों के मध्यस्थता में शामिल रहा है।

Peacekeeping Missions

Some regional organizations deploy peacekeeping missions to stabilize conflict zones and support peace processes. These missions provide security, assist in disarmament, and help rebuild institutions. The Economic Community of West African States (ECOWAS) has conducted several peacekeeping missions in West Africa.

कुछ क्षेत्रीय संगठन संघर्ष क्षेत्रों को स्थिर करने और शांति प्रक्रियाओं का समर्थन करने के लिए शांति रक्षा मिशन तैनात करते हैं। ये मिशन सुरक्षा प्रदान करते हैं, निरस्त्रीकरण में सहायता करते हैं और संस्थानों के पुनर्निर्माण में मदद करते हैं। पश्चिम अफ्रीकी राज्यों का आर्थिक समुदाय (ECOWAS) ने पश्चिम अफ्रीका में कई शांति रक्षा मिशनों का संचालन किया है।

Humanitarian Assistance

Regional organizations often provide humanitarian assistance during and after conflicts. They coordinate relief efforts, support refugee populations, and help in the rehabilitation of affected communities.

The South Asian Association for Regional Cooperation (SAARC) has mechanisms to respond to humanitarian crises in South Asia.

क्षेत्रीय संगठन अक्सर संघर्षों के दौरान और बाद में मानवीय सहायता प्रदान करते हैं। वे राहत प्रयासों का समन्वय करते हैं, शरणार्थी आबादी का समर्थन करते हैं और प्रभावित समुदायों के पुनर्वास में मदद करते हैं। दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ (SAARC) के पास दक्षिण एशिया में मानवीय संकटों का जवाब देने के लिए तंत्र है।

Scholarly Minds